साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 6 । अंक : 31 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 12 मार्च से 18 मार्च 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

वाहन की टक्कर से युवक की हुई मौत

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव थाने के तहत तावशी निवासी धीरज शिवचरण साखरे (40) डामरीकरण सड़क से पैदल घूम रहा था. इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उसे तावशी के साई श्रद्धा लॉन के पास टक्कर मार दी. जिसमें उसकी मौत हो गई. महिला की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

सेंधमारी करने वाला पकड़ाया 34,680 रु. का माल जब्त गया किया

गोंदिया-सालेकसा तहसील के असईटोला में एक घर से नकद व आभूषण चुराने वाले आरोपी को सालेकसा पुलिस ने गिरफ्तार किया है. आरोपी के पास से कुल 34,680 रु. का माल जब्त किया गया है. आरोपी का नाम गोबरीटोला, पांढरी निवासी विष्णू दयालू मच्छिरके (27) बताया गया है. जानकारी के अनुसार, सालेकसा तहसील के असइटोला निवासी फिर्यादी मीरा फुलचंद दमाहे (39) के घर से अज्ञात व्यक्ति ने 10 हजार रु. नकद व सोने के आभूषण ऐसे कुल 37,680 रु. का माल चुरा लिया था. जिसकी शिकायत सालेकसा थाने में की गई थी. शिकायत के आधार पर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी. इसी बीच मिली गुप्त जानकारी के आधार पर गोबरीटोला, पांढरी निवासी आरोपी विष्णु दयालु मच्छिरके (27) को हिरासत में लिया गया. उसकी गहनता से पूछताछ करने पर उसने अपना अपराध कबुल किया. आरोपी के पास से 7 हजार रु. नकद व सोने के आभूषण ऐसे कुल 34,680 रु. का माल जब्त किया गया. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे, उपविभागीय पुलिस अधिकारी प्रमोद मडामे के निर्देश व पुलिस निरीक्षक भूषण बुराडे के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस उपनिरीक्षक श्यामकुमार डोंगरे, पुलिस नायक निमजे, सिपाही आशिष जांभुलकर, दिनेश गौतम व मनोज गौतम ने की

पुलिस के रडार पर 19 शिक्षक, फर्जी व जाली दस्तावेजों द्वारा शिक्षक भर्ती का पुलिस जांच में खुलासा

गोंदिया-नागपुर सदर पुलिस थाने में 29 मार्च 2025 को फर्जी कागज पत्र के आधार पर की गई शिक्षकभर्ती संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई थी. उसमें 20 से अधिक आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया. उनमें एक आरोपी महेंद्र म्हैसकर ने शिक्षक भर्ती संबंध में शिक्षक संस्थाओं से मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेज बनाएं. यही मामला गोंदिया जिला आमगांव स्थित चंद्रमणि बौद्धविहार समिति इस संस्था अंतर्गत अमृताबेन इंदिराबेन पटेल रिसामा, डॉ. बाबासाहब आंबेडकर हाईस्कूल सरकारटोला, मिलिंद विद्यालय गोरठा, बॅरिस्टर राजाभाऊ खोब्रागडे कनिष्ठ विद्यालय साखरीटोला इन स्कूलों में महिंद्र म्हैस्कर द्वारा अनुकंपा प्रमाणपत्र, फर्जी डिग्रीयां, फर्जी संचमान्यता, फर्जी अल्पसंख्याक प्रमाणपत्र बनाकर 19 शिक्षक कर्मचारी की भर्ती का मामला पुलिस जांच में सामने आया है. इस संबंध में 13 फरवरी 2026 को नागपुर सदर पुलिस थाने ने शिक्षण अधिकारी माध्यमिक जिप गोंदिया को पत्र लिखकर 19 शिक्षक कर्मचारी भर्ती की जानकारी मांगी है.

चंद्रमणि बौद्ध विहार समिति इस संस्था के संस्थापक महेंद्र मेश्राम जीवित होते हुए भी उनके लड़के आदित्य मेश्राम ने अपने चाचा के मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर अनुकंपा तत्वों पर अमृताबेन इंदिराबेन पटेल विद्यालय रिसामा इस स्कूल में प्रयोगशाला सहायक पद के लिए शासकीय नौकरी प्राप्त की. महिंद्र म्हैसकर को सदर पुलिस ने गिरफ्तार करते ही उसने चुपचाप वेतन द्वारा ली गई राशि वापस की लेकिन आज भी वैयक्तिक मान्यता व शालार्थ आईडी रद्द नहीं हुई. संस्था के संस्थापक महेंद्र मेश्राम की लड़की कोमल मेश्राम कि नियुक्ति 26 फरवरी 2017 को डॉ. बाबासाहब आंबेडकर विद्यालय सरकारटोला में की गई लेकिन शिक्षक पद की योग्यता के लिए क्वश्वस्त्र. की डिग्री आवश्यक है लेकिन इस प्रकरण में कोमल मेश्राम ने क्वश्वस्त्र. सन 2018 को किया. शिक्षक पद की नियुक्ति 2017 में की

हम कानूनी कारवाई की सोच रहे

आदित्य मेश्राम इनकी अनुकंपा नौकरी में कोई फर्जी दस्तावेज नहीं लगाए गए हैं, कोमल मेश्राम की शिक्षण सेवक पद पर 11 सितंबर 2024 को एक ही बार नियुक्ति की गई है. लोकचंद ग्यानिराम हेमने की डिग्री कोई फर्जी नहीं है. माध्यमिक में 9 शिक्षक नियुक्त है. प्राथमिक में 1 शिक्षक और उच्च माध्यमिक में । शिक्षक नियुक्त है. कनिष्ठ लिपिक सेवक 4 और अनुकंपा परिचर 4 ऐसे कुल 19 कर्मचारियों की भर्ती की गई. हम कानूनी कारवाई करने की सोच रहे हैं.

- महेंद्र मेश्राम, संस्था सचिव

जांच में चंद्रमणी बौद्ध विहार समिति भी फर्जी

इसी तरह कोमल मेश्राम को इसी विद्यालय में 11 सितंबर 2024 को नियुक्ति दी गई. एक ही व्यक्ति को 2 नियुक्ति पत्र, 2 मान्यता, 2 शालार्थ आईडी प्राप्त है. लोकचंद हेमने की नियुक्ति 12 जुलाई 2024 को मिलिंद विद्यालय गोरठा में की गई. इनकी डिग्री पुलिस जांच में फर्जी पाई गई. स्कूल में शिक्षकों की जो भर्ती होती है वह स्कूल संच मान्यता के आधार पर होती है. संच मान्यता सन 2021 से 2026 के अनुसार ही संस्था में कुल 4 पद रिक्त होते हुए भी फर्जी व बनावटी संच मान्यता बनाकर 14 शिक्षकों की पद भर्ती की गई. पुलिस जांच में भी खुलासा हुआ है की, चंद्रमणी बौद्ध विहार समिति भी फर्जी है, फर्जी अल्पसंख्याक प्रमाणपत्र बनाकर 19 शिक्षक कर्मचारियों भर्ती की गई.

मारुति ओमनी वैन में गैस लीकेज लगी भीषण आग गंभीर हादसा टला जनहानि नहीं

बुलंद गोंदिया। (संवाददाता तिरोड़ा)- तिरोडा शहर के तिरोडा -तुमसर हाईवे मार्ग पर 11 फरवरी की शाम 6ः00 बजे के दौरान अचानक मार्ग से दौड़ती ओमनी वैन में गैस रिसाव होने से भीषण आग लग गई हालांकि इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं होने से एक गंभीर हादसा टल गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तिरोडा शहर के तिरोडा -तुमसर हाईवे पर 11 फरवरी की शाम 5 से 6 बारातियों को लेकर ओमनी वैन क्रमांक एम 31 सी एस 6928 तुमसर की ओर जा रही थी। इसी दौरान बस स्टैंड के समीप ओमनी वैन से धुँवा निकलता देख वैन में सवार सभी लोग बाहर निकल आए उनके बाहर निकलते ही वैन ने भीषण आग पकड़ ली। समय सूचकता के चलते किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई इस घटना की जानकारी प्राप्त होते ही तिरोडा अग्निशमन दल घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाया ।

विभिन्न पुरस्कारों के लिए आवेदन मंगवाए

गोंदिया-सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से समाज कल्याण के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों और गैर स्वयंसेवी संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए डा. बाबासाहब आंबेडकर समाज भूषण पुरस्कार, साहित्य रत्न लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे पुरस्कार, पद्म श्री कर्मवीर दादासाहब गायकवाड पुरस्कार, संत रविदास पुरस्कार, लोक कवि वामनदादा कर्डक पुरस्कार, शाहू-फुले-आंबेडकर पुरस्कार, डा. बाबासाहब आंबेडकर सामाजिक न्याय प्रावीण्य पुरस्कार के नाम से पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है. शासन ने 26 फरवरी 2026 को समाचार पत्र में वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए सात पुरस्कारों का विज्ञापन प्रकाशित किया है. जिसके अनुसार गोंदिया जिले में समाज कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को निर्धारित प्रारूप में और चेकलिस्ट के अनुसार दस्तावेजों के साथ उक्त पुरस्कार के लिए आवेदन 15 मार्च, 2026 तक जमा करना होगा. आवेदन पत्र सहायक आयुक्त, समाज कल्याण कार्यालय, गोंदिया में नि:शुल्क उपलब्ध है.

8 महिलाओं का सत्कार

तिरोड़ा-तिरोड़ा स्थित के. पी. असाटी पब्लिक स्कूल में विश्व महिला दिवस का आयोजन किया गया. इस अवसर पर जिलाधीश प्रजीत नायर, तिरोड़ा तहसील की उप विभागीय अधिकारी पूजा गायकवाड़ उपस्थित थी. इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमेन दिलीप असाटी, संचालक अर्पित असाटी, संस्कार असाटी, प्राचार्य सुरेश उपाध्याय, डॉ. अविनाश जायसवाल विशेष रूप से उपस्थित थे. महिला दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सफल और प्रतिष्ठित महिलाओं को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया. अधिवक्ता व जिप सदस्य माधुरी रहांगडाले, प्रानाध्यापिका शुभांगी चौधरी, सफल बिजनेस वुमन पूर्णिमा शर्मा, नप सदस्य ममता बैस, उत्कृष्ट सफल गृहिणी मिताली ज्ञानचंदानी, परिचारिका सरिता सोनेवाने अधिवक्ता किरन लांजेवार को स्मृतिचिन्ह और उपहार देकर सम्मानित किया गया. समारोह के दौरान कक्षा 9वीं की छात्रा लक्ष्मी रहांगडाले ने अपनी प्रेरणादायक कविताओं से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया. संचालन शिक्षिका आरती ढोबले व काजल गुनेवार ने किया

मंडल कृषि कार्यालय की इमारत जर्जर कर्मचारियों को अपनी जान से खिलवाड़

गोंदिया-मुंडीकोटा में मंडल कृषि कार्यालय है और इस कार्यालय की इमारत जर्जर अवस्था में आ गई है. कई साल पहले की इस इमारत में किसी भी प्रकार की मरम्मत नहीं हुई है. परिणामस्वरूप अब इमारत कब गिर जाए इसका कोई भरोसा नहीं है, इसलिए नई इमारत बनाने की मांग की जा रही है. यहां के मंडल द्वारा कृषि कार्यालय के अंतर्गत क्षेत्र के 27 गांव शामिल हैं. कार्यालय में एक मंडल अधिकारी, दो पर्यवेक्षक, 12 कृषि सहायक ऐसे कुल 15 कर्मी कार्यरत हैं. लेकिन इमारत जर्जर हो जाने के कारण कर्मचारियों को अपनी जान हथेली पर रखकर काम करना पड़ता है. इमारत के दरवाजे और खिड़कियां टूटी हुई स्थिति में हैं. दीवारें जर्जर हो गई हैं और बड़ी-बड़ी दरारें दिखाई दे रही हैं. सीमेंट की छत बारिश में टपकती है और शौचालय व बाथरूम में दरवाजे नहीं हैं. कार्यालय की फशें उखड़ी हुई हैं. नई इमारत बनाने की मांग की गई है इस कार्यालय में बैठने के लिए जगह कम पड़ जाती है, जिससे काम के लिए आने वाले किसानों को खड़े रहकर अपना काम निपटाना पड़ता है.

बंद पड़ी छोटी म्युनिसिपल इंजन शेड स्कूल प्रारंभ करें

गोंदिया-प्रभाग क्र. 13 में स्थित नगर परिषद द्वारा संचालित छोटी म्युनिसिपल - इंजन शेड स्कूल जो सालों से नप की अनदेखी के चलते बंद हो गई और जिसके चलते अनेक छात्र मुफ्त शिक्षा से वंचित रह गए. साथ ही निजी स्कूल में दखल करने की वजह से आर्थिक रूप से दुर्बल परिवार को आर्थिक बोझ भी उठाना पद रहा है. इसे लेकर शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक चौधरी व महासचिव मनोज पटनायक के मार्गदर्शन में प्रभाग क्र. 13 के युवाओं के साथ आलोक मोहंती के नेतृत्व में नगराध्यक्ष सचिन शेंडे को ज्ञापन सौंपा और इंग्लिश मीडियम व सेमी इंग्लिश मीडियम शुरू करने की मांग की. नगराध्यक्ष शेंडे ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया की शीघ्र ही इस पर ठोस कदम उठाए जाएंगे और स्कूल को पुन: जीवित करने का प्रयास उनकी ओर से किया जाएगा. प्रतिनिधि मंडल में युवा नेता गोल्डी गावंडे, पूर्व ह्स्ड्ड गोंदिया जिला अध्यक्ष अमन तिगला, प्रभाग के वरिष्ठ हरिनखेड़े, जागरूक युवा मनोज पटले, सिमोन बाघे, प्रांशु तिवारी, अदीप खान आदि का समावेश था.

मोटरसाइकिल चोर को धरदबोचा स्टेशन परिसर से चोरी हुई बाइक भी बरामद

सालेकसा-सालेकसा रेलवे स्टेशन परिसर में एक मोटरसाइकिल अज्ञात व्यक्ति ने चुरा लिया था. जिसकी शिकायत सालेकसा थाने में की गई थी. शिकायत के आधार पर पुलिस ने पाऊलदौना, फुक्कीमेटा निवासी आरोपी दुर्गेश रमेश गौतम (34) को मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है. जानकारी के अनुसार, फिर्यादी जितेंद्र तेजलाल रत्नाकर ने अपनी मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35 - एएफ 1201 सालेकसा रेलवे स्टेशन परिसर में रखा था. जिसे अज्ञात व्यक्ति ने चुरा लिया था. जिसकी शिकायत सालेकसा थाने में की गई. मोटरसाइकिल की तलाश जारी थी कि जानकारी मिली पाऊलदौना फुक्कीमेटा निवासी आरोपी दुर्गेश रमेश गौतम (34) ने यह मोटरसाइकिल चुराई है. जिसके तहत उसे हिरासत में लिया गया. उसकी गहनता से पूछताछ करने पर उसने अपना अपराध कुबूल किया. उसके पास से 40 हजार रु. कीमत की मोटरसाइकिल जब्त की गई है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे, उपविभागीय पुलिस अधिकारी प्रमोद मडामे के निर्देश व सालेकसा थाने के पुलिस निरीक्षक भूषण बुराडे के मार्गदर्शन में हवलदार गणेश सौंजाल, विनोद वैद्य, सिपाही विकास वेदक, मनोज गौतम ने की.

थाने में मोबाइल फॉरेंसिक वैन उपलब्ध सबूत इकट्ठा करने में होगी आसानी

तिरोड़ा-किसी भी अपराध की जांच कार्य में आधुनिक तकनीक का समावेश करते हुए मोबाइल फॉरेंसिक वैन की सुविधा तिरोड़ा पुलिस थाने में उपलब्ध कराई गई है. इस अत्याधुनिक वैन से विभिन्न प्रकार के अपराधों की जांच में घटनास्थल पर ही वैज्ञानिक तरीके से सबूत एकत्र करना संभव होगा, जिससे जांच प्रक्रिया को तेजी मिलेगी. तिरोड़ा थाने में इस फॉरेंसिक वैन का लोकार्पण उपविभागीय पुलिस अधिकारी साहिल झरकर के हाथों हुआ. इस अवसर पर पुलिस निरीक्षक अमित वानखेड़े सहित थाने के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे. मोबाइल फॉरेंसिक वैन में प्रशिक्षित तकनीशियन स्थायी रूप से उपलब्ध रहेगा. घटनास्थल पर ही सबूत एकत्र करना, उनकी प्राथमिक जांच करना, साथ ही फोटोग्राफी, फिंगरप्रिंट संग्रहण, रक्त के नमूने और अन्य जैविक सबूतों को सुरक्षित रूप से संरक्षित करने के लिए आवश्यक उपकरणों की सुविधा प्रदान की गई है. इससे अपराधों की जांच में सटीकता बढ़ेगी और न्यायालयीन प्रक्रिया के लिए मजबूत सबूत प्रस्तुत करना आसान होगा. इससे पहले ऐसी जांच के लिए जिला मुख्यालय पर निर्भर रहना पड़ता था. उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र पुलिस के आधुनिकीकरण के तहत गोंदिया जिले के तिरोड़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों के थाने में हाई-टेक मोबाइल फॉरेंसिक वैन प्रदान की जा रही हैं. गंभीर अपराधों के मामलों में घटना स्थल से सबूत इकट्ठा करने के लिए इन वैन को तैनात किया गया है. यह वैन एयर कंडीशनर से लैस है और इसमें फिंगरप्रिंट डिटेक्शन, नारकोटिक्स किट, ब्लड/सीमेन डिटेक्शन, और डिजिटल फॉरेंसिक के लिए आधुनिक उपकरण हैं. वैन में फोरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम और एक चालक होता है, जो तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में मदद करते हैं. इस पहल का उद्देश्य, विशेष रूप से %भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023% के तहत, साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ को रोकना और (दोष सिद्ध दर) को बढ़ाना है.

गंभीर अपराधों की जांच में होगी उपयोगी

चोरी, सेंधमारी, दुर्घटना, संदिग्ध मृत्यु तथा अन्य गंभीर अपराधों की जांच में इस वैन का उपयोग होगा. पुलिस प्रशासन की इस पहल का नागरिकों ने स्वागत किया है और कानून व व्यवस्था को और सशक्त करने की दृष्टि से इस कदम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

रेलवे स्टेशन रोड निर्माण का भूमिपूजन

गोरेगांव-ग्राम पिंडकेपार अंतर्गत कन्हारटोला में रेलवे स्टेशन रोड निर्माण का भूमिपूजन किया गया. इस सड़क के निर्माण से परिसर के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और आने-जाने की सुविधा और आसान हो जाएगी. जिप अर्थ व निर्माण सभापति डा. लक्ष्मण भगत बताया कि हमारा लक्ष्य परिसर के पूरे विकास के लिए सड़कें, नालियां और दूसरी बुनियादी सुविधाएं निर्माण करना है और परिसर में ज्यादा से ज्यादा विकास के काम करने की लगातार कोशिश की जा रही है. इस अवसर पर पंस सदस्य शितल बिसेन, पूर्व पंस सभापति सुरेंद्र बिसेन, ग्रापं सदस्य नीलकंठ बिसेन, बाबा बिसेन, हिरदिलाल बिसेन, संजय गलपल्लीवार, शिवा बिसेन, लोकेश टेंभरे, काशिराम टेंभरे, राजेश देशमुख, आनंदराव रहांगडाले, खोमेंद्र बिसेन व ग्रामीण उपस्थित थे.

संपादकिय...

अहम का 'अविश्वास'

लोकसभा स्पीकर के प्रति अविश्वास व्यक्त करना और फिर अविश्वास प्रस्ताव पेश करना असंवैधानिक, अनैतिक नहीं है, लेकिन यह तार्किक और तथ्यात्मक होना चाहिए। स्पीकर पक्ष और विपक्ष की साझा सहमति से ही चुने जाते हैं और दोनों पक्षों के नेता उन्हें आसन पर विराजमान करते हैं। यही लोकतंत्र का सौंदर्य है। स्पीकर सांसद भी है, राजनेता भी है, एक व्यक्ति भी है, लेकिन सदन में वह संरक्षक और अभिभावक की भूमिका में हैं, लिहाजा तटस्थ और निरपेक्ष हैं। असल जिंदगी में भी अभिभावक हमें डांटते भी हैं और दंड भी देते हैं, लेकिन फिर भी वह हमारे अभिभावक माने जाते रहे हैं। यह तय है कि संसदीय सदन 'नियमानुसार' ही चलते हैं और वे नियम संसद ने ही बनाए हैं, लिहाजा नियमों की पुस्तिका फाडना भी 'आपराधिक' घोषित करना चाहिए। बहरहाल मौजूदा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा में ध्वनि-मत से पराजित हो गया। संख्या की सियासत में यही नियति तय होती है। अब ओम बिरला ही स्पीकर रहेंगे और वह अपने दायित्वों की नए सिरे से शुरुआत करेंगे। वह भारत के संवैधानिक और संसदीय इतिहास में चौथे स्पीकर हैं, जिनके प्रति विपक्ष का 'अविश्वास' पराजित हुआ है। देश के प्रथम स्पीकर गणेश वासुदेव मावलंकर के खिलाफ दिसंबर, 1954 में अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया। तब देश का संविधान ही मात्र 4 वर्ष का था। तब विपक्ष भी नगण्य था। तो क्या प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और स्पीकर मावलंकर के बीच असहमतियों और मतभेदों के मद्देनजर वह 'अविश्वास' व्यक्त किया गया? मावलंकर सम्मानित स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता, संविधानविद थे। सभी उन्हें 'दादा साहेब' कहकर संबोधित करते थे। कई मायनों में उन्हें 'लोकसभा का जनक' भी माना जाता है। संविधान सभा और संविधान का प्रारूप तय करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। ऐसे शख्स के प्रति भी 'अविश्वास' व्यक्त किया जा सकता था, आज हम सिर्फ सवाल कर हैरान हो सकते हैं। बहरहाल मावलंकर के बाद 1966 में हुकम सिंह और 1987 में बलराम जाखड़ सरीखे लोकसभा अध्यक्षों के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव पेश किए गए, लेकिन सभी पराजित हुए। वे तीनों स्पीकर 'कांग्रेसी' थे। अब स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ सबसे अहम शिकायत यह थी कि वह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने ही नहीं देते। उनका रवैया, व्यवहार असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक रहा है और उनकी व्यवस्थाएं 'पक्षपाती' रही हैं। विपक्ष के नेताओं के माइक बंद कर दिए जाते हैं। विपक्ष की महिला सांसदों पर स्पीकर ने जानबूझ कर गंभीर आरोप लगाए कि वे सांसद प्रधानमंत्री मोदी के आसन को घेर कर कुछ भी अनिष्ट, अप्रत्याशित कर सकती थीं। विपक्षी सांसदों के निलंबन पर भी सवाल उठाए गए। बहरहाल इन आरोपों की नौबत ही क्यों आई? महिला सांसद प्रधानमंत्री के आसन तक क्यों गई थीं? विपक्ष के सांसद कागज की चिंदी-चिंदी कर स्पीकर के आसन पर क्यों उछालते रहे हैं? निलंबन पहले के स्पीकर भी करते रहे हैं। यह सामान्य कार्रवाई है। स्पीकर सोमनाथ चटर्जी ने तो 'नकदी के बदले सवाल' के भ्रष्ट कदाचार पर कई सांसदों को बर्खास्त ही कर दिया था। स्पीकर को निलंबन ही नहीं, निष्कासन का भी विशेषाधिकार संविधान ने दिया है। ऐसा फैसला सर्वोच्च अदालत ने भी दिया है।

गोंदिया जिले में महिलाओं की ऊंची उड़ान

एक महिला एक आज़ाद इंसान होती है और उसके माँ, बहन, दोस्त, मौसी, मौसी, दादी जैसे रिश्ते होते हैं। इन सभी रिश्तों को प्राथमिकता देते हुए, वह कभी-कभी भूल जाती है कि वह एक इंसान है। हालाँकि, उसके एक इंसान होने की जागरूकता के साथ, एक शिवबा पैदा होता है, क्रांतिकारी माता सावित्री पैदा होती है, भीमाची रमाई पैदा होती है, देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, पहली राज्यपाल सरोजिनी नायडू, मुख्यमंत्री मायावती, जयललिता, ममता बनर्जी, पुलिस अधिकारी किरण बेदी और कई अन्य महिलाएँ अपने-अपने क्षेत्रों में चमकते सितारे बनती हैं और अनगिनत महिलाओं को प्रेरित करती हैं।

हर महिला में यह जागरूकता लाने और महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए, 1975 में संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं पर विश्व सम्मेलन आयोजित किया गया था। दुनिया के देशों में महिलाओं की स्थिति कैसी है, यह जानने के लिए यहाँ एक अध्ययन किया गया और उसी के अनुसार वैश्विक मंच पर एक नया रास्ता शुरू किया गया। भारत में भी एक अध्ययन किया गया और उस दौरान शादी के बाद दहेज के लिए महिलाओं को जलाने की दर में वृद्धि देखी गई। यह भी बताया गया कि महिलाओं की हालत में उतना सुधार नहीं हुआ जितना चाहिए था।

भारतीय संविधान ने 26 जनवरी 1950 से पुरुषों और महिलाओं के बीच बराबरी का इंतज़ाम किया है। लेकिन, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता की कमी के साथ-साथ इस देश में जड़ जमाए हुए पुरुष-प्रधान कल्चर की वजह से महिलाओं को घर से बाहर निकलने के लिए संघर्ष करना पड़ता था।

महाराष्ट्र, संतों और सुधारकों की धरती, नेशनल लेवल पर एक प्रोग्रेसिव राज्य माना जाता है। इसीलिए देखा गया है कि इसी धरती पर सबसे पहले बदलाव देखने को मिला। उस समय की महिला लीडरशिप ने 1975 के बाद हुए वर्ल्ड विमेंस कॉन्फ्रेंस में तय मामलों को लागू करने की ज़िम्मेदारी मानी और आज यह बदलाव राज्य में काफी हद तक देखा जा रहा है। हालांकि, ऐसा लगता है कि विदर्भ समेत राज्य के कुछ हिस्सों में इस बदलाव को जल्दी मान लिया गया है।

राज्य के दूसरे हिस्सों की तुलना में महिलाओं के सेल्फ-एम्प्लॉयड होने और किसी जगह काम करने की दर ज़्यादा है। गोंदिया महाराष्ट्र के पूर्वी सिरे का आखिरी ज़िला है। गोंदिया ज़िला छत्तीसगढ़ राज्य और मध्य प्रदेश राज्य की सीमा से लगा हुआ है। गोंदिया ज़िला गोंड राजाओं और रानियों का ज़िला है। यहाँ जैसे राजा का हुक्म माना जाता था, वैसे ही रानी का हुक्म भी माना जाता था। चूँकि गोंदिया ज़िला चावल वाला ज़िला है, इसलिए यहाँ की औरतें चावल की खेती से लेकर सरकारी पदों पर काम करने वाली महिला अफ़सरों तक, प्राइवेट जगहों पर आसानी से काम करती हुई दिख जाती हैं।

जब से मैं गोंदिया ज़िले में डिस्ट्रिक्ट इन्फ़ॉर्मेशन ऑफ़िसर के तौर पर आया हूँ, मैं कुछ काम के लिए वहाँ के लोगों के संपर्क में आया और वहाँ महिला कर्मचारियों की संख्या ज़्यादा थी।

असल में, औरतें कोई भी काम करने में शर्म महसूस नहीं करतीं। वे अपना काम ईमानदारी से करती हैं। वे अपने और अपने परिवार की आर्थिक मदद करने के मकसद से घर से बाहर निकलती हैं और घर के बाहर काम करते हुए भी वही ईमानदारी बनाए रखती हैं।

रेलवे स्टेशन के पास कई होटलों में औरतें आसानी से काम करती हुई दिख जाती हैं। चूँकि साफ़-सफ़ाई रखना औरतों के स्वभाव का एक ज़रूरी गुण है, इसलिए जहाँ भी औरतें काम करती हैं, वहाँ साफ़-सफ़ाई ज़रूरी है।

कपड़ों की दुकानों, मिट्टी के बर्तनों की दुकानों, सब्ज़ी मंडियों और ज़िले में हर जगह औरतें काम करती हुई ज़्यादा दिखती हैं। कुछ प्राइवेट जगहों ने इन औरतों के लिए इंश्योरेंस भी करवाया है। यह एक और अच्छी बात है जो इस ज़िले में देखी जा सकती है। इसमें दुर्गा भैया पोहेवाले ने कहा कि उन्होंने अपनी जगह की सभी महिलाओं का इंश्योरेंस करवाया है। किसी प्राइवेट जगह का ऐसा फैसला लेना उस परिवार को स्टेबिलिटी देने जैसा है।

यह कहा जा सकता है कि इन महिलाओं में प्रोफेशनलिज्म की थोड़ी कमी है, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि काम के प्रति उनका जिद्दी रवैया सौ फीसदी असली और ईमानदार है।

अगर वे चाहती हैं कि उनका काम बेहतर तरीके से हो, तो प्राइवेट जगह को उन्हें समय पर स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग देकर और ट्रेनिंग देनी चाहिए और महिलाओं की क्वालिटी बढ़ानी चाहिए। इसका असर प्राइवेट जगह के बिजनेसमैन पर भी जरूर पड़ेगा।

महिला दिवस के मौके पर अगर गोंदिया जिले में जनप्रतिनिधि, प्राइवेट जगहें महिलाओं की भलाई पर थोड़ा और ध्यान दें और उनकी खूबियों को मौका दें, तो इस जिले की महिलाएं जरूर काबिल, आत्मनिर्भर और खुशहाल रहेंगी। इसके साथ ही अगर महिलाएं खुद अपना एनालिसिस करें, तो वे अपनी भूमिका को और मजबूती से साबित कर पाएंगी।

हाल ही में गोंदिया जिले में मिनी पलाश हुआ। इसके तहत यहां की महिलाओं ने 82 लाख रुपये कमाए। यह उन प्रोडक्ट्स से है जो उन्होंने खुद बनाए थे। सरकार पूरी तरह से महिलाओं के साथ है और यह उन्हें ही तय करना है कि महिलाओं को कितनी छलांग लगानी चाहिए। जिले की सभी महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं।

अंजू कांबले निमसरकर
जिला सूचना अधिकारी,

महापुरुषों के पुतलों का शहर में घुट रहा दम रखरखाव में नगर परिषद की अनदेखी : छोटे व्यापारी, वाहनों से भी परेशानी

गोंदिया-गोंदिया शहर में महापुरुषों के पुतलों की हालत दिल दहला देने वाली है. हालांकि यह न सिर्फ नगर परिषद के लिए बल्कि पूरे शहरवासियों के लिए शर्म की बात है, शहर में पुतलों की खस्ता हालत से यह साफ है कि इस स्थिति से किसी को कोई लेना-देना नहीं है. महापुरुषों के आदर्शों को ध्यान में रखकर उनके कार्यों से प्रेरणा लेने के लिए हर चौक-चौराहे पर पुतले बनाए गए हैं. लेकिन, न तो शहर में नगर परिषद और न ही गांव में ग्राम पंचायत उन पुतलों की रक्षा करने की हिम्मत करती है. गोंदिया शहर में महापुरुषों के पुतलों की संख्या बहुत ज्यादा नहीं है. लेकिन, नगर परिषद इन चंद पुतलों का भी रखरखाव नहीं कर पा रही है. गंदगी और श्वानों का डेरा पुतलों का ध्यान ठीक से न रखने की वजह से आवारा श्वान पुतलों के आसपास घूमते हैं और वहां गंदगी करते हैं. गौरैया और कौए पुतलों को खराब करने का काम करते हैं. शहर के बीचों-बीच स्थित पुतलों की हालत और भी खराब है. जमनालाल बजाज के पुतले के सामने व्यवसायी कूड़ा फेंकते हैं. शाम को फुटपाथ पर स्टॉल लगाने वाले अपना कूड़ा इसी पुतले के पास छोड़ जाते हैं. पुतले के आस-पास का परिसर चौपहिया व दोपहिया वाहनों का पार्किंग स्थल बन गया है. यह ऐसी हालत है जहां कोई भी आकर अपनी गाड़ी पार्क कर सकता है. पंडित जवाहरलाल नेहरू के पुतले की

हालत भी कुछ ऐसी ही है. फुटपाथ दुकानदार दुकानें इसी पुतले के सामने लगाते हैं.

जिले में है 1,121 पुतले

महापुरुषों के काम से प्रेरणा लेने के लिए जिले में 1121 प्रतिमाएं बनाई गई. इनमें महात्मा गांधी की 36, डा. बाबासाहब आंबेडकर की 430, गौतम बुद्ध की 398, छत्रपति शिवाजी महाराज की 18, पंडित जवाहरलाल नेहरू की 8, इंदिरा गांधी की 9, महात्मा ज्योतिबा फुले की 42, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की 31, सावित्रीबाई फुले की 13, रानी दुर्गावती की 14, संत रविदास की 25, भारत माता की 2, बिरसामुंडा की 38, मनोहरभाई पटेल की 2, जमनालाल बजाज की 1, रमाबाई अंबेडकर की 1, राजेंद्र प्रसाद की 1, सुभाषचंद्र बोस की 2, झांसी रानी की 3 और अन्य महापुरुषों की 1 प्रतिमा शामिल है

बैनर से सजा है परिसर

महात्मा गांधी का पुतला तो हर किसी के लिए किसी भी तरह का चैनर लगाने की जगह चन गया है. यह पुतला वर्ष में कुछ ही दिन आजादी से सांस लेता है. वरना, यह पुतला हमेशा अलग-अलग बैनरों से ढंका रहता है. अब छोटे व्यवसायी भी इस पुतले के आस-पास डेरा डाल रहे हैं. उल्लेखनीय है कि सफाई का उपदेश देने वाले इस शांतिदूत के पुतले के आजू-बाजू में हमेशा कूड़े के ढेर और कभी-कभी आवारा जानवरों से घिरा रहता है. इसलिए, यह पुतला अपनी बदहाली पर आंसू बहाने के अलावा कुछ नहीं कर सकता. महाराष्ट्र सरकार ने 2007 में महात्मा गांधी विवाद मुक्त गांव अभियान लागू किया था. उस अभियान के तहत बनी समितियों ने तीन वर्ष पहले अपने गांवों में पुतलों की सुरक्षा की जिम्मेदारी ली थी. इसलिए, उन पुतलों को नजरअंदाज नहीं किया गया. लेकिन, शहर में पुतलों की सुरक्षा की जिम्मेदारी नगर परिषद की है. फिर भी, नगर परिषद इसे नजरअंदाज कर रही है.

गोंदिया से हजूर साहिब नांदेड़ होला मोहल्ला दर्शन यात्रा की सफलतापूर्वक वापसी, जसपाल सिंह चावला

गोंदिया-गोंदिया से तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ के पावन दर्शनों के लिए निकली होला मोहल्ला दर्शन यात्रा श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण के बीच सफलतापूर्वक संपन्न होकर गोंदिया लौट आई। दिनांक 01 मार्च को समूह साध संगत की उपस्थिति में गुरबाणी कीर्तन के साथ लगभग 25 श्रद्धालुओं का जत्था यात्रा प्रमुख सरदार जसपाल सिंह चावला के नेतृत्व में गोंदिया से रवाना हुआ था। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने मनमाड के ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुप्तसर साहिब, गुरुद्वारा तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, गुरुद्वारा लंगर साहिब सहित नांदेड़ क्षेत्र के आसपास स्थित अनेक ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब के दर्शन किए। इस दौरान श्रद्धालुओं ने विशेष गुरबाणी कीर्तन समागम में हाजिरी लगाई तथा सिख रहत मर्यादा के अनुसार आयोजित पारंपरिक होला मोहल्ला उत्सव में भाग लेकर गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं का जत्था सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी से जुड़े ऐतिहासिक स्थल गुरुद्वारा श्री नानक झिरा साहिब, बीदर (कर्नाटक) के दर्शन के लिए रवाना हुआ।

यात्रा के क्रम में श्रद्धालुओं ने सिकंदराबाद गुरुद्वारा साहिब में भी मत्था टेककर गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस प्रकार सभी पवित्र स्थलों के दर्शन कर श्रद्धालुओं का जत्था सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक गोंदिया वापस पहुंचा। होला मोहल्ला यात्रा प्रमुख सरदार जसपाल सिंह चावला ने इस सफल यात्रा के लिए तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ के जत्थेदार संत बाबा कुलवंत सिंह जी, गुरुद्वारा लंगर साहिब नांदेड़ के संत बाबा बलविंदर सिंह जी, संत बाबा नरेंद्र सिंह जी, सचखंड बोर्ड के अध्यक्ष, सुपरीटेंडेंट, सेवादार एवं समस्त अधिकारीगण , गुरुद्वारा श्री नानक झिरा साहिब, बीदर (कर्नाटक) की प्रबंधक समिति तथा समूह साध संगत का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गुरु महाराज की असीम कृपा और सभी के सहयोग से यह आध्यात्मिक यात्रा अत्यंत सफल, प्रेरणादायी और स्मरणीय रही।

महावीर मारवाड़ी हाईस्कूल में मनाया महिला दिवस

गोंदिया -श्री महावीर मारवाड़ी हाई स्कूल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्साह के साथ मनाया गया. कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने महिलाओं के सम्मान, उनके योगदान और सक्षमीकरण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए, कार्यक्रम का संचालन कक्षा 9वीं की छात्रा प्राचि दमाहे व आरुषि बिसेन ने किया. कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती तथा सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा के पूजन एवं माल्यार्पण के साथ हुई. कक्षा 8वीं व 9वीं के विद्यार्थियों ने देश की सफल महिलाओं के जीवन तथा उनके योगदान पर अपने विचार रखे. विद्यालय के प्राचार्य अजय शामका ने समाज महिलाओं के स्थान पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को महिलाओं का सम्मान और उनके सक्षमीकरण के लिए आगे आने का आह्वान किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में वैशाली कटरे, रुचि झा, सुषमा नागपुरे, सनी भादूपोते तथा नेहा जनबंधु उपस्थित रहीं. इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक प्रशांत वासनिक और लिखेंद्र जैतवार ने भी महिलाओं के अधिकार, सम्मान और समाज में उनकी प्रगति के विषय में अपने विचार रखे. कार्यक्रम का विशेष आकर्षण कक्षा 8वीं की छात्रा इशिका कवरे की सावित्रीबाई फुले की वेशभूषा रही. उन्होंने सावित्रीबाई फुले के प्रेरणादायी जीवन और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान का प्रभावशाली परिचय प्रस्तुत किया. महिला दिवस के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें

कक्षा 8वीं और 9वीं के पांच-पांच सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया गया. संस्था अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल व सचिव प्रकाशचंद्र कोठारी समेत शाला व्यवस्थापन समिति के सभी पदाधिकारियों ने महिला दिवस के अवसर पर सभी महिलाओं को शुभकामनाएं दीं

कड़ी कार्रवाई की हो रही मांग, दरिंदे को कड़ी सजा दिलाएं

पवनी-तहसील के वडेगांव स्थित जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक अनिल राऊत द्वारा एक नाबालिग छात्रा के साथ कथित रूप से अशोभनीय और निंदनीय कृत्य किए जाने का मामला सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया है. शिक्षा जैसे पवित्र कार्य से जुड़े शिक्षक पर ही छात्रा के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगने से लोगों में गहरी नाराजगी है और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है. मिली जानकारी के अनुसार आरोपी शिक्षक अनिल राऊत वडेगांव की जिला परिषद प्राथमिक स्कूल में कार्यरत है. उस पर आरोप है कि उसने स्कूल की एक नाबालिग छात्रा को

अश्लील वीडियो दिखाकर उसके साथ अनुचित व्यवहार किया. इस घटना से अभिभावकों में भय और आक्रोश का माहौल बन गया है. शिक्षा क्षेत्र को बदनाम करने वाली इस घटना की चर्चा पूरे जिले में हो रही है. इस मामले को लेकर एनएसयूआई ने आक्रामक रुख अपनाया है. संगठन के जिलाध्यक्ष रोहित खोब्रागडे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस निरीक्षक को लिखित ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में कहा गया है कि एक बच्ची के साथ टीचर की यह हरकत इंसानियत को शर्मसार करने वाली है और इसने स्कूलों में लड़कियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया है. मांग की गई है कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए इस मामले की जल्द जांच की जाए.

रेलवे सुरक्षा बल की ओर से 7 टिकट दलालों को गिरफ्तार किया गया आरक्षित टिकट के अवैध व्यापार पर कार्रवाई

गोंदिया-रेल सेवा आज के परिप्रेक्ष्य में भारत की लाइफलाइन के रूप में कार्य कर रही है. यह यात्रा का सरल व आरामदायक साधन होने के कारण प्रतिदिन लाखों यात्री रेलवे के माध्यम से एक राज्य से दूसरे राज्य तथा एक शहर से दूसरे शहर की यात्रा करते हैं. किंतु त्योहारी सीजन, गर्मी की छुट्टियों तथा वैवाहिक सीजन के दौरान यात्रियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि होने से रेलवे टिकटों का अवैध व्यापार तथा कालाबाजारी करने वाले सक्रिय हो जाते हैं और यात्रियों की मजबूरी का फायदा उठाकर निर्धारित दर से अधिक राशि वसूल कर टिकटों का अवैध व्यापार करते हैं. इसी के मद्देनजर मुन्नवर खुर्शीद, महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, दपूम रेलवे, बिलासपुर के निर्देशन तथा दीप चन्द्र आर्य, मंडल सुरक्षा आयुक्त /रेलवे सुरक्षा बल, नागपुर मंडल के मार्गदर्शन में रेसुब नागपुर मंडल द्वारा ऑपरेशन उपलब्ध के तहत रेलवे टिकटों की कालाबाजारी व अवैध व्यापार करने वालों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में मंडल के विभिन्न स्थानों पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान रेलवे सुरक्षा बल द्वारा 7 टिकट दलालों को गिरफ्तार किया गया. जांच के दौरान इनके पास से पर्सनल यूजर आईडी के माध्यम से बनाए गए आरक्षित ई-टिकट, मोबाइल फोन, कंप्यूटर सिस्टम व लैपटॉप बरामद किए गए. इन सभी के विरुद्ध रेल अधिनियम की धारा 143 के अंतर्गत संबंधित रेसुब पोस्ट में मामला दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई.

टिकटों की कालाबाजारी पर लगेगा अंकुश

इस कार्रवाई के तहत 9 मार्च को गोंदिया निवासी अजय कावडे के मोबाइल से 15 तत्काल / प्रीमियम तत्काल आरक्षित ई-टिकट (कीमत 75,299) बरामद किए गए तथा मोबाइल फोन जब्त किया गया. रेलवे सुरक्षा बल नागपुर मंडल द्वारा रेलवे टिकटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा, रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल ने सभी नागरिकों व रेल यात्रियों से अपील की है कि यदि आपके आसपास रेलवे टिकटों का अवैध व्यापार या कालाबाजारी की कोई जानकारी प्राप्त होती है, तो इसकी सूचना अपने नजदीकी रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट या रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर तुरंत दें. सूचना देने वाले की पहचान पूर्णत: गोपनीय रखी जाएगी.

बनगांव जलापूर्ति योजना की बिजली काटी, पानी के लिए तरस रहे ग्रामीण

स्वतंत्र नल योजना से बुझ रही प्यास

आमगांव-आमगांव-सालेकसा तहसील के 48 गांवों कस्बों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति करने वाली बनगांव प्रादेशिक ग्रामीण जलापूर्ति योजना की बिल न भरने के कारण विद्युत आपूर्ति खंडित हो जाने से पिछले 18 दिनों से सभी गांवों के नागरिक बूंद-बूंद पीने के पानी के लिए तरस रहे है. ऐसे में आमगांव नगर परिषद में समाविष्ट ग्राम पदमपुर, बिरसी, माल्ही, बनगांव, रिसामा, किंडगीपार के नागरिक भी पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं. लेकिन बनगांव प्रादेशिक ग्रामीण जलापूर्ति योजना से अन्य आमगांव नगर की स्वतंत्र नल योजना अभी भी शुरू रहने के कारण आमगांव क्षेत्र के नागरिकों को नलों से पानी मिल रहा है, लेकिन नगर परिषद क्षेत्र में ही समाविष्ट अन्य क्षेत्रों के नागरिक गर्मी में पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं. ऐसे नागरिकों के लिए आमगांव की चल रही नल योजना वरदान साबित हो रही है. शहर के अंतर्गत आस-पास के गांवों के नागरिक सुबह से ही आमगांव में अपने रिश्तेदारों के घरों में पानी की डबकियां लेकर पहुंच जाते हैं और उनके यहां से पीने के लायक पानी घर लेकर आते हैं. लेकिन दोनों

तहसीलों के 50 हजार से अधिक नागरिक पिछले 18 दिनों से पीने के पानी के गंभीर संकट का सामना कर रहे है. आमगांव नगर में मुख्य मार्ग पर खरीदी बिक्री सोसायटी के सामने पाइप लाइन के ओवर फ्लो के गड्ढे में लगाया गया नल इन दिनों आस-पास के नागरिकों के लिए किसी सौगात से कम साबित नहीं हो रहा है. सुबह 6 बजे से ही यहां दूर दराज से लोग आकर अपनी डबकियां लाइन में लगा देते हैं और बारी-बारी से एक-दो डबकी पानी लेकर वाहनों से अपने घर वापस जाते हैं. अनेक नागरिकों का इस संबंध में कहना था कि उन्हें व परिजनों को नल का पानी पीने की ही आदत होने के कारण अन्य जलस्त्रोतों का पानी अनेक व्याधियां निर्माण करता है. जिसके कारण उन्हें कम से कम पीने के पानी के लिए यह मशक्कत करनी पड़ती है. एक-दो डबकी पानी से ही उन्हें एक दिन का गुजारा करना पड़ रहा है. उतने ही बिलों की वसूली न करने वाली नगर परिषद व ग्राम पंचायतें भी जिम्मेदार है.

योजना शुरू होने से पहले ही लगा ग्रहण

नियमित रूप से टैक्स की वसूली कर जिला परिषद में पानी टैक्स की राशि भरी जाए तो इस तरह की समस्या ही उत्पन्न नही होगी. लेकिन इस योजना के शुरू होने के समय से ही इसे ग्रहण लगा हुआ है. वर्ष में 3 से 4 बार किसी न किसी कारणवश यह नल योजना बंद हो जाती है और नागरिकों को भारी समस्या का सामना करना पड़ता है. आमगांव नप पर ही लगभग 30 लाख रु. से अधिक का टैक्स बकाया होने की जानकारी मिली है.

कांग्रेस कमेटी का मुख्यमंत्री को ज्ञापन, धान खरीदी का बकाया भुगतान जल्द से जल्द करें

गोंदिया-खरीफ सीजन में दिए गए धान खरीदी का लक्ष्य पूरा हो गया है. लेकिन अभी भी 50 हजार से ज्यादा किसान धान बिक्री से वंचित हैं. वहीं धान खरीदी का बकाया भुगतान नहीं होने से किसान आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं. इसलिए धान खरीदी की लिमिट बढ़ाई जाए व किसानों को धान का बकाया भुगतान जल्द से जल्द किया जाए, ऐसी मांग का ज्ञापन जिला कांग्रेसी कमेटी की ओर से जिला पणन अधिकारी के मार्फत मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भेजा गया है. खरीफ मौसम 2025-26 में जिला मार्केटिंग फेडरेशन को दिया गया धान खरीदी का लक्ष्य पूरा हो जाने के कारण धान खरीदी बंद कर दी गई है. यह खरीदी मार्च 2026 के अंत तक चलनी थी, लेकिन फेडरेशन के 188 केंद्रों पर खरीदी का लक्ष्य पूरा हो जाने के कारण एक माह पूर्व ही किसानों से धान खरीदी बंद कर दी गई है. फेडरेशन ने शासन से खरीदी का लक्ष्य बढ़ाकर दिए जाने की मांग की थी, लेकिन अब तक इस संबंध में कोई आदेश नहीं

मिलने के कारण धान की बिक्री का इंतजार करने वाले किसानों के दिलों की धड़कनें बढ़ रही हैं. मार्केटिंग फेडरेशन के धान खरीदी केंद्रों पर अपने धान की बिक्री के लिए 1 लाख 32 हजार 614 किसानों ने पंजीयन करवाया था. जिसमें से अब तक 81 हजार 587 किसानों से 25 लाख 63 हजार 138 क्विंटल धान खरीदा जा चुका है. मुख्यम मुख्य मांगे पंजीकरण किए गए किसानों का धान खरीदी करने, धान खरीदी लिमीट बढ़ाने, वर्ष 2024-25 का बोनस देने, रबी धान खरीदी के लिए केंद्र शुरू करणे, मक्का खरीदी केंद्र शुरू करने शामिल है. अभी भी 51 हजार 27 किसान धान की बिक्री से वंचित है. उसी प्रकार जिन 81 हजार 587 किसानों ने अपना धान फेडरेशन के केंद्रों पर बेचा है. उनमें से भी 34 हजार 968 किसान ऐसे है, जिन्हें बेचे गए धान का भुगतान भी प्राप्त नहीं हुआ है. जिससे उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है. धान खरीदी का लक्ष्य बढ़ाया जाए व खरीदी किए गए धान का बकाया भुगतान जल्द से जल्द किया जाए. इस मांग को लेकर गोंदिया जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से 9 मार्च को आंदोलन कर जिला मार्केटिंग फेडरेशन अधिकारी के मार्फत मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को ज्ञापन भेजा गया. इस अवसर पर पूर्व विधायक व जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिलीप बंसोड, शहर अध्यक्ष अशोक चौधरी, अमर वराडे, आनंद लांजेवार, शैलेश जायस्वाल, रोशन बडोले, मधूसुदन दोनोडे, राधेलाल पटले, दामोदर नेवारे, सिद्धार्थ गणवीर, नामदेव नाईक आदि उपस्थित थे.

समपार फाटक 15 से स्थायी रूप से बंद

गोंदिया-दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के अंतर्गत दुर्ग - नागपुर रेलखंड पर आमगांव व गुदमा स्टेशन के बीच स्थित मानव संचालित समपार फाटक क्र. 500 (कि.मी. 983/26-28) को 15 मार्च 2026 की सुबह 6 बजे से सभी प्रकार के सड़क यातायात के लिए स्थायी रूप से बंद किया जा रहा है. यह निर्णय क्षेत्र में सड़क व रेल यातायात की सुरक्षा तथा सुचारु संचालन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है. समपार फाटक के स्थान पर अब यातायात के लिए नवनिर्मित रोड़ ओवर ब्रिज उपलब्ध कराया गया है. 15 मार्च से उक्त समपार फाटक से गुजरने वाला समस्त सड़क यातायात स्थायी रूप से नवनिर्मित रोड़ ओवर ब्रिज के माध्यम से डायवर्ट किया जाएगा. रेल प्रशासन ने आम जनता व वाहन चालकों से अपील की है कि वे उक्त परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं तथा सुरक्षित आवागमन के लिए नवनिर्मित रोड़ ओवर ब्रिज का उपयोग करें.

साइकिल रैली में सैकड़ों महिलाओं ने उत्साह के साथ लिया हिस्सा

गोंदिया में नौवारी साड़ी पहनकर महिलाओं ने चलाई साइकिल

सरकारी-गैर सरकारी विभागों में कार्यरत महिलाकर्मी व स्कूली छात्राओं ने लिया हिस्सा

गोंदिया - विश्व महिला दिवस के अवसर पर शहर में महिलाओं द्वारा पारंपरिक नौवारी साड़ी पहनकर निकाली गई साइकिल रैली आकर्षण का केंद्र रही. साइकिलिंग संडे ग्रुप के माध्यम से आयोजित इस विशेष साइकिल रैली में शहर की सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महिला सक्षमीकरण का संदेश दिया. पारंपरिक परिधान नौवारी साड़ी में साइकिल चलाती महिलाएं लोगों के लिए खास आकर्षण बनीं और नागरिकों ने भी इस पहल की सराहना की. इस साइकिल रैली में गृहिणियों के साथ-साथ शासकीय और अर्धशासकीय विभागों में कार्यरत महिला कर्मचारी, स्कूल और कॉलेज की छात्राएं भी बड़ी संख्या में शामिल हुईं. इसके अलावा डॉक्टर, पुलिसकर्मी, वकील, शिक्षिका समेत विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं ने भी सक्रिय रूप से भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया. सुबह के समय जब महिलाएं नौवारी साड़ी पहनकर साइकिल चलाते हुए शहर के 8 तुझे सलाम! साइकिल रैली में हिस्सा लेने वाली गोंदिया शहर की महिलाएं. मुख्य मार्गों से गुजरीं तो राहगीरों और स्थानीय नागरिकों ने उनका उत्साह बढ़ाया. दरअसल, महिलाओं और नागरिकों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने, लोगों में साइकिल चलाने की आदत विकसित करने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से गोंदिया के कुछ युवाओं और युवतियों ने वर्ष 2017 में साइकिलिंग संडे ग्रुप की स्थापना की थी. इस ग्रुप के सदस्य हर रविवार को नियमित रूप से कम से कम 15 से 20 कि.मी. तक साइकिल चलाते हैं. इसी पहल को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष विश्व महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के लिए विशेष साइकिल रैली का आयोजन किया गया. रविवार, 8 मार्च की सुबह 6 बजे गोंदिया शहर के जयस्तंभ चौक से इस साइकिल रैली की शुरुआत हुई. इसके बाद रैली जयस्तंभ चौक से आंबेडकर चौक, वाजपेयी ड्राइविंग स्कूल, हनुमान मंदिर, इंगले चौक, रेलवे कॉलोनी काली मंदिर, श्री टॉकीज चौक, रेलवे स्टेशन, दुर्गा चौक, यादव चौक, सिंधी कॉलोनी शंकर चौक, गांधी प्रतिमा और नेहरु चौक जैसे प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी. शहर के कई इलाकों में नागरिकों ने इस अनोखी रैली का स्वागत किया और पुरुषों ने पुष्पवर्षा कर दी महिला दिवस की शुभकामनाएं महिलाओं के इस प्रयास की प्रशंसा की. रैली का समापन इंदिरा गांधी स्टेडियम में किया गया. समापन कार्यक्रम के दौरान साइकिलिंग संडे ग्रुप के पुरुष सदस्यों ने साइकिल चलाकर पहुंची महिलाओं पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया और उन्हें महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं. आयोजन के माध्यम से महिलाओं ने यह संदेश दिया कि वे किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं. साथ ही बताया कि स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहना और पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है. नौवारी साड़ी में साइकिल चलाकर महिलाओं ने परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम प्रस्तुत किया

विज्ञान दिवस पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने पर जोर पटेल महावि. में विज्ञान दिवस पर कार्यक्रम

साकोली-विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने तथा विज्ञान के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से मनोहरभाई पटेल महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दिलीप चौधरी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ. कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. गिरीश कोरेकर उपस्थित रहे. वहीं डॉ. खुशाल बोरकर तथा कार्यक्रम समन्वयक राजीव मेश्राम की विशेष उपस्थिति रही. कार्यक्रम की शुरुआत रोकड़े सर एवं विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय गीत के मधुर सादरीकरण से की गई. इस अवसर पर महाविद्यालय एवं प्रतिष्ठित निजी संस्था कर्मवीरा फाउंडेशन के बीच शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने हेतु सामंजस्य करार पर हस्ताक्षर किए गए. इस समझौते के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न वैज्ञानिक उपक्रमों एवं शैक्षणिक सहयोग का लाभ मिलेगा. कार्यक्रम समन्वयक राजीव मेश्राम ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आयोजित गतिविधियों की जानकारी दी. वैज्ञानिक सोच विकसित करने का आह्वान प्रमुख अतिथि डॉ. गिरीश कोरेकर ने विज्ञान क्षेत्र में जिज्ञासा, कल्पनाशक्ति एवं नवाचार की आवश्यकता पर बल देते हुए विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर शोध कार्य करने के लिए प्रेरित किया. प्राचार्य डॉ. डी. एस. चौधरी ने विद्यार्थियों से वैज्ञानिक सोच विकसित करने, अनुसंधान एवं प्रयोगशील गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया तथा राष्ट्र निर्माण में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया. कार्यक्रम के अंतर्गत विज्ञान प्रश्नमंजूषा प्रतियोगिता एवं वैज्ञानिक रील मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन वैष्णवी झंझाड़ एवं प्रगति कटरे द्वारा किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभाग लिया. कार्यक्रम का संचालन डिंपल चांदेवार ने किया. अंत में डॉ. अमित जगिया ने आभार प्रदर्शन करते हुए सभी अतिथियों, आयोजकों एवं सहभागी विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया

खांबी में संत शिरोमणि सेनाजी जयंती मनाई

अर्जुनी मोरगांव-खांबी में न्हावी समुदाय के देवता श्री संत शिरोमणि सेनाजी महाराज के देवस्थान में जयंती उत्सव मनाया गया. जयंती उत्सव समारोह कार्यक्रम दो दिन का था. रविवार को शाम 6 बजे घटस्थापना और भजन कार्यक्रम और सोमवार को दोपहर 3 बजे गोपालकाला का आयोजन किया गया. मानिक मेश्राम ने संत सेनाजी महाराज के देवस्थान की स्थापना के लिए सही मार्गदर्शन दिया. उसके लिए संत सेनाजी महाराज देवस्थान समिति, खांबी की ओर से उनका पुष्पगुच्छ व शाल देकर सत्कार किया गया. साथ ही मनोहर सूर्यवंशी, विश्वनाथ पगाडे, दिलचंद पगाडे, सुरेश सूर्यवंशी का भी पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया

प्लाट विवाद पर पिटाई युवक गंभीर रूप से घायल, केस दर्ज

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव थाने के तहत ग्राम इटखेड़ा में 3 आरोपियों ने प्लाट के हिस्से को लेकर 29 वर्षीय फिर्यादी के साथ जमकर मारपीट कर उसे घायल कर दिया. फिर्यादी के पिता व मामा अपने हिस्से की आधी जमीन पर लकड़ियां गाढ़कर मोजमाप कर रहे थे. इसी दौरान आरोपी रामप्रसाद तुकाराम कावले (55), 50 वर्षीय महिला आरोपी व लोकेश रामप्रसाद कावले (25) वहां पहुंचे और प्लाट के हिस्से को लेकर मारपीट शुरु कर दी. आरोपी लोकेश ने जमीन में गढ़ी लकड़ी निकालकर फिर्यादी के सिर व हाथ पर हमला कर दिया. जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार राजु नंदेश्वर कर रहे हैं

तिरोड़ा-साकोली मार्ग पर दिखाई दिया बाघ वन विभाग ने की सावधानी बतरने की अपील

सुकड़ी/डाकराम-नागझिरा अभयारण्य के पास तिरोड़ा-साकोली मार्ग पर कुछ दिन पूर्व एक लंगड़ाते हुए बाघ को देखा गया है, जिससे परिसर में दहशत का माहौल है. तिरोड़ा-साकोली मार्ग इसी अभयारण्य से होकर गुजरता है और इस मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों और पर्यटकों को अक्सर बाघ और अन्य वन्यजीव दिखाई देते हैं. कुछ दिन पूर्व तिरोड़ा के कुछ लोग ग्राम आलेबेदार में आयोजित एक सम्मेलन में भाग लेने जा रहे थे. तभी उन्होंने सड़क पर एक बाघ को लंगड़ाते हुए देखा. इसी तरह अनिल रामटेके अपने परिवार के साथ चौपहिया वाहन से इसी मार्ग से तिरोड़ा लौट रहे थे, तब अभयारण्य के पिटेझरी गेट क्षेत्र के पास सड़क पर पट्टेदार बाघ को लंगड़ते हुए देखा था. इस दौरान कुछ लोगों ने बाघ को अपने मोबाइल में कैद किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. हालांकि कुछ लोग वीडियो को एआई जनरेटेड मान रहे हैं. वीडियो पर कमेंट करते हुए, उमलझरी वनपरिक्षेत्र अधिकारी सपना टेंभरे ने बताया कि वीडियो असली है. उन्होंने कहा कि इस इलाके में बाघ लगातार घूमते रहते हैं और शिकार के दौरान जंगली जानवर घायल हो जाते हैं, जिससे बाघ लंगड़ा हो सकता है. ये कुछ दिनों में अपने आप ठीक हो जाते हैं.

संविधान की कलम का हवाला स्पर्धा परीक्षा फीस में छूट की मांग की राजकुमार बडोले ने

महाराष्ट्र विधानसभा में की पिछड़े वर्गों के हितों के लिए बडोले की आवाज; मंत्री ने कमेटी बनाने का भरोसा दिया

बुलंद गोंदिया। (मुंबई) महाराष्ट्र विधानसभा में स्पर्धा परीक्षा की फीस को लेकर एक अहम चर्चा हुई जिसमे अर्जुनी मोरगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक और पूर्व सामाजिक न्याय मंत्री राजकुमार बडोले ने इस मुद्दे पर एक प्रेजेंटेशन के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा कर संविधान की कलम का हवाला स्पर्धा परीक्षा फीस में छूट की मांग की ।

पूर्व सामाजिक न्याय मंत्री राजकुमार बडोले ने विधानसभा में बोलते हुए भारतीय संविधान के आर्टिकल 14 और 16 का ज़िक्र किया, जो सभी नागरिकों को समान अधिकार देते हैं। हालांकि, उन्होंने खास तौर पर आर्टिकल 46 का ज़िक्र किया और कहा कि इसमें आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को छूट देने का प्रावधान है। बडोले ने कहा, शेड्यूल कास्ट, शेड्यूल ट्राइब्स, OBC, अन्य पिछड़ा वर्ग और SBCs के हितों की रक्षा करने की ज़रूरत है। इन कैटेगरी के बहुत से लोग अभी भी राज्य में गरीबी रेखा से नीचे रह रहे हैं और कॉम्पिटिटिव एग्ज़ाम की फ़ीस नहीं दे सकते। राज्य में सभी जातियां और जनजातियां अभी भी पूरी तरह से बराबर नहीं हैं। उन्होंने विदेश में पढ़ाई के लिए इनकम लिमिट का उदाहरण दिया और कहा कि सभी के लिए 8 लाख रुपये की लिमिट तय करना सही मायने में बराबरी नहीं है, क्योंकि पिछड़े वर्गों की स्थिति पर विचार करने की ज़रूरत है।

बडोले ने कहा कि सोशल जस्टिस के क्षेत्र में काम करते हुए उन्होंने ऐसी कई समस्याएं देखी हैं। उन्होंने

कहा, पिछड़े वर्गों को पढ़ाई के मौके पाने के लिए रियायतें ज़रूरी हैं। नहीं तो, वे कॉम्पिटिटिव एग्ज़ाम में हिस्सा नहीं ले पाएंगे और उनका विकास रुक जाएगा। बडोले के इस नज़रिए से सदन में पिछड़े वर्गों की पढ़ाई-लिखाई में तरक्की के बारे में और ज़्यादा जागरूकता आई। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि संविधान द्वारा पिछड़े वर्गों को दी गई रियायतों का पालन करना सरकार का फ़र्ज़ है।

50 प्रतिशत रियायत की मांग और संविधान के उल्लंघन का मुद्दा

राजकुमार बडोले ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, OBC, अन्य पिछड़ा वर्ग और SBC के लिए कॉम्पिटिटिव एग्जाम की फीस में 50 परसेंट रियायत की जोरदार मांग की। उन्होंने कहा, अगर सभी से एक जैसी फीस ली जाती है, तो पिछड़े वर्गों के अधिकारों का ध्यान नहीं रखा जाएगा। सिर्फ 100 रुपये का अंतर काफी नहीं है। सरकार को एग्जाम की फीस वापस करनी चाहिए और सही रियायतें देनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया, अगर ये मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो क्या संविधान द्वारा पिछड़े वर्गों को दी गई रियायतों का उल्लंघन नहीं हो रहा है? इस चर्चा में पूर्व सामाजिक न्याय मंत्री के तौर पर उनका अनुभव अहम था, क्योंकि उन्होंने पहले भी ऐसे मुद्दों पर काम किया है।

अपने भाषण में, बडोले ने राज्य में पिछड़े वर्गों की मौजूदा स्थिति पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, राज्य में अभी भी हजारों परिवार ऐसे हैं जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। कॉम्पिटिटिव एग्जाम उनके लिए करियर का मौका हैं, लेकिन फीस के कारण वे पीछे रह जाते हैं। संविधान के आर्टिकल 46 के अनुसार, सरकार को उन्हें बढ़ावा देना चाहिए। उनकी मांग के बाद, सदन में दूसरे सदस्यों ने भी पिछड़े वर्गों की शिक्षा में आने वाली रुकावटों पर चर्चा की, जिससे यह मुद्दा और बड़ा हो गया।

मंत्री का कमेटी बनाने का सकारात्मक आश्वासन

इस चर्चा का जवाब देते हुए, मंत्री आशीष शेलार ने सकारात्मक जवाब दिया। उन्होंने कहा, हम राजकुमार बडोले द्वारा उठाए गए मुद्दों की स्टडी के लिए एक कमेटी बनाएंगे। अगले सेशन से पहले इस बारे में सही फैसला लिया जाएगा।

छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व समाधान शिविर नागरिकों को तत्काल दे सेवा - लायकराम भेंडारकर

आठो तहसीलों में समाधान कैंप पूरा संपन्न

बुलंद गोंदिया। जिला परिषद अध्यक्ष लायकराम भेंडारकर ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज समाधान कैंप के तहत नागरिकों को तत्काल सेवा देने के लिए प्रशासन और जनप्रतिनिधि मिलकर काम करें। छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्वबी समाधान कैंप के पहले चरण का पहला कार्यक्रम अर्जुनी मोरगांव तालुका के महागांव मंडल में आयोजित किया गया था, उस समय श्री भेंडारकर बोल रहे थे। इस समाधान कैंप में जिला परिषद महिला एवं बाल कल्याण सभापति पूर्णिमा ढेंगे, जीप सदस्य जयश्री देशमुख, पंचायत समिति सदस्य नाज़ीक कुंभार, जिलाधिकारी प्रजीत नायर, उप विभागीय अधिकारी ज्योति कांबले, तहसीलदार अनिरुद्ध कांबले, महागांव ग्राम पंचायत के प्रशासक प्रभाकर कोवे और अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। श्री भेंडारकर ने आगे कहा कि सरकार के फैसलों, नीतियों और योजनाओं के बारे में ज़्यादा से ज़्यादा नागरिकों तक पहुंचने के लिए ऐसे कैंप बहुत ज़रूरी हैं। इसके पीछे मकसद गांव के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचकर सरकारी योजनाओं का फ़ायदा पहुंचाना है। जिलाधिकारी नायर ने कहा कि प्रशासन दूर-दराज के इलाकों में आखिरी नागरिक तक पहुंचने और उन्हें ज़्यादा से ज़्यादा लोगों से जुड़ने वाला बनाने के लिए हमेशा तैयार है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगर काम में कोई गलती या मुश्किलें हैं, तो वे पॉज़िटिव तरीके से उसका हल निकालने की कोशिश करेंगे। जिले के सभी आठो तहसीलों में महा राजस्व शिविर गोंदिया तहसील गोंदिया तहसील के गोंदिया मंडल में जलाराम लॉन गोंदिया कैंप लगाया गया। इस मौके पर रूविनोद अग्रवाल, पंचायत समिति सभापति मुनेश रहांगडाले, उप विभागीयअधिकारी चंद्रभान खंडाईत, तहसीलदार शमशेर पठान, अपर तहसीलदार श्रीकांत कांबले मौजूद थे। इस मौके पर बेनिफिशियरी को सर्टिफिकेट बांटे गए। तिरोडा तहसील तिरोडा तहसील के परसवाड़ा मंडल में ज़िला परिषद हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज परसवाड़ा में एक कैंप लगाया गया। इस मौके परउप विभागीयअधिकारी पूजा गायकवाड़, तहसीलदार नारायण ठाकरे और पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव की मौजूदगी में बेनिफिशियरी को बेनिफिट दिए गए।

गोरेगांव तहसील गोरेगांव तहसील के हिरडामाली मंडल में गुरुकृपा लॉन मेंनिवासी उप जिलाधिकारी भैयासाहेब बेहेरे, परिविक्षाधीन अधिकारी साईकिरण नंदाला, पूर्व सांसद डॉ. खुशाल बोपचे की मौजूदगी में बेनिफिशियरी को सर्टिफिकेट बांटे गए।

देवरी तहसील देवरी तहसील के ककोडी मंडल में मुरमाडी ग्राम पंचायत ऑफिस में रूरू संजय पुराम, उप विभागीयअधिकारी कविता गायकवाड़, अपर तहसीलदार चिचगढ़ नवनाथ कटकड़े की मौजूदगी में बेनिफिशियरी को बेनिफिट दिए गए।

आमगांव तालुका -आमगांव तहसील के तिगांव मंडल में जिला परिषद प्राइमरी स्कूल जम्भुरटोला में नायब तहसीलदार वेलाडी की मौजूदगी में एक कैंप लगाया गया। इस मौके पर बेनिफिशियरी को सर्टिफिकेट बांटे गए।

सलेकसा तहसील-सालेकसा तहसील के आमगांव खुर्द मंडल में ग्राम पंचायत ऑफिस तिरखेड़ी में तहसीलदार नरसैया कोंडागुरले की मौजूदगी में योग्य बेनिफिशियरी को सर्टिफिकेट बांटे गए। **सड़क अर्जुनी तहसील**-सड़क अर्जुनी तहसील के शेंडा मंडल में जिला परिषद सीनियर प्राइमरी स्कूल शेंडा में तहसीलदार प्रेरणा कटरे की मौजूदगी में बेनिफिशियरी को सर्टिफिकेट बांटे गए।

देवरी में छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती पर बांटा महाप्रसाद उबाठा शिवसेना का आयोजन

देवरी-उद्धव बालासाहेब ठाकरे शिवसेना गुट की ओर से देवरी के गोंड वीरांगना रानी दुर्गावती चौक पर तहसील प्रमुख सुनील मिश्रा के नेतृत्व में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती तिथिनुसार बड़े ही उत्साह के साथ मनाई गई। इस दौरान जय भवानी, जय शिवाजी का जयघोष भी किया गया। पश्चात लगभग एक हजार से अधिक शिवसैनिकों और नागरिकों को महाप्रसाद बांटा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवसेना जिला प्रमुख शैलेश जायसवाल ने की। इस अवसर पर देवरी तहसील प्रमुख सुनील मिश्रा, देवरी शहर प्रमुख राजा भाटिया, उपतहसील प्रमुख राजू पटले, सुहाग गिरी, गोंविद बन्सोड़, धर्मेंद्र जगनिक, डालचंद मडावी, डा. भूमेश पटले, विभाग प्रमुख लोकनाथ लांजेवार, प्रशांत यादव, शाखा प्रमुख हेमराज बावनकुड़े, मनोहर मेश्राम, रमेश अचले, लल्लूप्रसाद उपाध्याय, राजू क्षीरसागर, मूलचंद मोहबे, यश गिरी, अजय गिरी, दिनेश डुंभरे, बादल टेंभुनिया, घनश्याम बावने सहित देवरी तहसील के शिव सैनिक, युवा सैनिक, महिला संघ, किसान सैनिक तथा सभी संगठनों के पदाधिकारी, शिव सैनिक तथा नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

महिला लोकशाही दिन 16 मार्च को

बुलंद गोंदिया। जिलास्तर पर प्रति महा तीसरे सोमवार को महिला लोकशाही दिन आयोजित किया जाता है। महिलाओ को कोई भी विभाग से संबंधित समस्या, वैयक्तीक समस्या, को हल करने 16 मार्च 2026 की सुबह 11 बजे जिलाधिकारी कार्यालय के सभागृह में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में महिला लोकशाही दिन का आयोजन किया जाएगा। इस लोकशाही दिन में सभी महिला कर्मचारी, महिला मंडळ, बचतगट व अन्य महिलांओ के लिए काम करने वाली संस्था भी इसमें आकर वैयक्तीक शिकायत दर्ज करा सकते है। न्याय से जुड़े मामले, तय फ़ॉर्म में न होने वाले और ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स की कॉपी न होने वाले एप्लीकेशन, सर्विस से जुड़े, एस्टैब्लिशमेंट से जुड़े मामले, ऐसी शिकायतें/बयान जो पर्सनल नहीं हैं, उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा। हालांकि, सभी पीड़ित महिलाओं को ज़िला महिला और बाल विकास अधिकारी के ऑफ़िस में खुद आकर अपनी शिकायत तीन कॉपी में जमा करानी चाहिए।

सैंपल एप्लीकेशन फॉर्म डिस्ट्रिक्ट महिला एवं बाल विकास ऑफिसर के ऑफिस, न्यू एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, थर्ड फ्लोर, रूम नंबर 36, जयस्तंभ चौक, गोंदिया में फ्री में मिलेगा। तहसील स्तर पर, हर महीने के चौथे सोमवार को तहसीलदार की अध्यक्षता में महिला लोकशाही दिवस होता है। इसके लिए, संबंधित तहसील के चाइल्ड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट ऑफिसर (रूरल) को एप्लीकेशन जमा करना होगा। सैंपल एप्लीकेशन फॉर्म चाइल्ड डेवलपमेंट ऑफिसर से फ्री में मिलेगा। ज़्यादा जानकारी के लिए, डिस्ट्रिक्ट महिला एवं बाल विकास ऑफिसर, गोदिया से संपर्क करें।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पुरुषों द्वारा आयोजित कर महिलाओं को बराबरी सम्मान देना चाहिए- डॉ रेखा लिल्हारे

बुलंद गोंदिया। 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर लोधी क्षत्राणी संगठन गोंदिया द्वारा ग्राम कारंजा के हनुमान मंदिर में निशुल्क आरोग्य जाच शिविर साथ ही निशुल्क जवाहर नवोदय प्रवेश परीक्षा पुस्तक का वितरण एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल की महिलाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना ग्रामीण की भी महिलाओं को समाज में बराबरी का सम्मान मिल सके इसलिए सबसे पहले वह स्वस्थ होना चाहिए इसी को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर डॉ श्वेतल संजय माहुले, डॉ स्वीटी राकेश चिखलोंढे, डॉ खुशबू राजू माहुले,डॉ संगीता राकेश गराडे, डॉ मोनाली कटारे, डॉ कामिनी कटारे तथा महालॅब महाराष्ट्र शासन के सहयोग से गांव की 250 से अधिक महिलाओं का निशुल्क आरोग्य जांच किया गया जिसमें महिला रोग, दंत चिकित्सक, रक्त जांच किया गया। जिसमें हजारों रुपए में होने वाली जाच मुफ्त में की गई । जिससे ग्रामीण अंचल की महिलाओं के स्वास्थ्य और भी बेहतर बनाने का एक प्रयास किया गया। गांव की बेटी कुमारी दिव्या संतोष बनोटे एक गरीब परिवार की बेटी जिसके पिता को पैरालाइज्ड है और मां घरगुती काम करके घर चलती है ऐसे गरीब परिवार की बेटी जिसने पांचवी कक्षा में नवोदय की परीक्षा देकर प्रवेश लिया और नवोदय विद्यालय में शिक्षा लेने से उसे एक नई दिशा मिली और आज वह बेटी सी ए की परीक्षा उत्तीर्ण कर सी ए बनने का गौरव प्राप्त किया हैं। बेटी का सत्कार कर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उन्हें सम्मानित किया गया। वैसे ही गोंदिया जिले की हजारों बेटीयों को सीक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने वाली सेवानिवृत्त प्रिंसिपल एस एस गर्ल्स कॉलेज गोंदिया डॉ सौ रेखा शेखर लिल्हारे का भी सत्कार किया गया। इस अवसर पर 20 विद्यार्थीयों को नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा पुस्तक डॉ श्वेतल माहुले एवं लोधी क्षत्राणी संघटन के सहयोग से वितरित की गई और गांव की स्कूल के बाजू में ही मंदिर परिसर में एक कक्षा तैयार की गई हैं जिसमें इन विद्यार्थियों की पढ़ाई उच्च शिक्षीत शिक्षक द्वारा ली जाएगी। इस मोहिम का उद्देश्य है कि गांव से ज्यादा से ज्यादा बच्चों को नवोदय विद्यालय की अच्छी शिक्षा दिलाना साथ ही शिक्षीत समाज का निर्माण करना।

आयोजन की शुरुआत भारत माता, सावित्रीबाई फुले तथा अमर शहीद वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पुजा अर्चना कर की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ प्रिती आशिष नागपुरे, शीला नागपुरे, सुरेखा अतुल शेंडे, कमलाबाई खेमलाल माहुले,सुनिता विवेक मस्करे, भाविका गौरव नागपुरे, एड कविता नागपुरे, रेखा बघेले, लता नागपुरे, पुनम सतिश नागपुरे, पुजा मस्करे,रीनाकुमारी सुनील नागपुरे,जयश्री मस्करे, तुलसीबाई ढेकवार के साथ लोधी समाज कारंजा की पुरी टिम ने सहयोग किया। कार्यक्रम का आभार डॉ शानु राजीव ठकरेले कीया।

प्रतिभावान कलाकारों को मिला मंच म्यूजिकल ग्रुप का होली मिलन

गोंदिया-जिले के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित संगीत समूहों में शुमार सरस्वती म्यूजिकल ग्रुप की ओर से भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया था. शहर के प्रसिद्ध संगीतकार और ग्रुप के संचालक तिलक दीप के म्यूजिकल हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में संगीत प्रेमियों और कलाकारों का तांता लगा रहा. उल्लेखनीय है कि सरस्वती म्यूजिकल ग्रुप पिछले अनेक वर्षों से संगीत के क्षेत्र में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहा है. गोंदिया जैसे शहर में स्थानीय कलाकारों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें एक प्रोफेशनल मंच प्रदान करने में इस ग्रुप की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है. इसी परंपरा को कायम रखते हुए होली के पावन अवसर पर इस स्नेह मिलन का आयोजन किया गया. संगीत और सद्भावना का संगम कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया. संचालक तिलक दीप ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कलाकारों के बीच आपसी भाईचारा बढ़ाना और संगीत के माध्यम से अपनी संस्कृति को सहेजना है. कार्यक्रम में शहर के कई गणमान्य नागरिक और संगीत प्रेमी उपस्थित थे, जिन्होंने ग्रुप के प्रयासों की मुक्त कंठ से सराहना की. इस कार्यक्रम मे कलाकार राजुसोनी, मनमितसींग, संजु जैन, डा. अजय शर्मा, अतुल सतदेवे, राजेंद्र दुबे, जसवंत महावत, अन्नपूर्णा बडे व अन्य कलाकार उपस्थित थे.

जंगल के संसाधन जलकर राख, वनविभाग की अनदेखी बोरगांव के जंगल में लगी आग

गोंदिया-महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों से गर्मी का मौसम काफी बढ़ गया है. साथ ही, महुआ फूल तोड़ने का मौसम भी शुरू हो गया है. इस वजह से बोरगांव के जंगल में आग लगने की घटनाएं शुरू हो गई हैं. देवरी वन विभाग के तहत आने वाले बोरगांव वनपरिक्षेत्र के जंगल परिसर में भीषण आग लगने की घटना 11 मार्च को सामने आई. जिसमें बड़ी मात्रा में जंगल के संसाधन जलकर खाक हो गए हैं. इस आग ने बोरगांव जंगल की संसाधन को खतरे में डाल दिया है और यहां के जानवरों के लिए भी बड़ा खतरा पैदा कर दिया है. गर्मियों की शुरुआत से ही देवरी वनविभाग में आग लगने का मौसम तेज हो गया है, और हाल ही में दिन में देवरी-आमगांव रोड पर बोरगांव जंगल में भीषण आग लग गई, जिससे बड़ी मात्रा में घास, झाड़ियां और जंगल के संसाधन जलकर खाक हो गए. इस आग के धुएं से घबराए और डरे हुए जंगली जानवर अब सुरक्षा के लिए मानवी बस्तियों या अन्य सुरक्षित जंगल परिसर में जाने की संभावना है, जिससे वन्यजीव व्यवस्थापन और परिसर के लोगों की सुरक्षा का एक गंभीर मुद्दा खड़ा हो गया है.

लाठी से मारकर किया घायल

गोंदिया-डुग्गीपार थाने के तहत घाटबोरी / तेली निवासी फिर्यादी हेमराज दाजी वंजारी (50) भुसारीटोला से अपने घर आया. इस दौरान आरोपी मनोहर बाजीराव वंजारी (50) फिर्यादी की पत्नी के साथ गालीगलौज कर रहा था. फिर्यादी ने उसे गालीगलौज क्यों कर रहा है, ऐसा पुछा. इस बीच आरोपी मनोहर, प्रशांत मनोहर वंजारी (28), 45 वर्षीय महिला आरोपी व गजानन रमेश वंजारी (39) अपने स्लैब से नीचे उतरे व फिर्यादी के साथ मारपीट की. साथ ही आरोपी गजानन ने फिर्यादी पर लाठी से प्रहार किया. वहीं सभी आरोपियों ने आगे देख लेने की धमकी दी. फिर्यादी की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार दीपक खोटेले कर रहे हैं.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।